हिन्दी
HINDI

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 x 5 = 5

सम्राट अशोक चंद्रगुप्त मौर्य का पौत्र और बिंदुसार का पुत्र था। अशोक की उदारता और दया की भावना के कारण ही इतिहासकार उसका गुणगान करते नहीं थकते। उसकी उदारता और दया केवल मानव जाति तक ही सीमित न थी, वरन् वह तो प्राणिमात्र का संरक्षक और सेवक था। जाति, धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त कर उसने जीव-मात्र के हित को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और इस लक्ष्य की सिद्धि के लिए अपने विशाल साम्राज्य के सभी साधनों का उपयोग किया। सम्राट अशोक के महान आदर्श आज भी भारत में जीवित हैं और यहाँ के निवासियों को आत्मकल्याण, धार्मिक सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व की प्रेरणा दे रहे हैं।

(क) अशोक का गुणगान क्यों किया जाता है?
(ख) अशोक के जीवन का लक्ष्य क्या रहा?
(ग) सम्राट अशोक के आदर्श हमें क्या प्रेरणा देते है?
(घ) उदार, सीमित और हित शब्द के विलोम लिखिए।
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 x 5 = 5

मेरे देश ने सब देशों को को, दिया ज्ञान का था उपदेश।
जियो और जीने दो सबको, सब धर्मों का यह संदेश।।
कभी किसी का जी न दुखाओ, देखो सब में अखिलेश।
इस धरती स्वर्ग बनाओ, मिट जाएँगे सभी कलेश।।
सभी सूखी हों, सब निरोगी हों, है यह अपनी बात विशेष।
मेल-जोल बढ़ता ही जाए, दुःख-दरिद्रता रहे न शेष।।

क) कवि किस देश की बात कर रहा है?
ख) सब धर्मों का क्या संदेश दिया है?
ग) हमारी धरती को स्वर्ग कैसे बनाया जा सकता है?
घ) भारत देश की कौन-सी बात विशेष है?
ङ) धरती, दुःख शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

खंड - ख

प्रश्न 3. i) किन्हीं दो शब्दों के अर्थ लिखिए : 2 x 1 = 2

क) गुरु
ख) आरंभ
ग) विजय
घ) बैचैन
ङ) शंका

ii) किन्हीं तीन मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 3 x 1 = 3

क) हाथ खींचना
ख) हाथ-पाँव मारना
ग) पानी फेर देना
घ) आग में घी डालना
ङ) घर सिर पर उठाना

iii) किन्हीं दो अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 2 x 1 = 2

क) हमारा पुराना कार ठीक हो गया।

ख) बीती बातों को भुला देनी चाहिए।

ग) मैंने तेरे को पुस्तक दी थी।

iv) किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2 x 1 = 2

क) उक्ति

ख) उजाला

ग) दूध

घ) सेवक

v) किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : 2 x 1 = 2

क) आयात

ख) सहमति

ग) उग्र

घ) बंधन

vi) रचना के आधार पर भेद लिखो : 3 x 1 = 3

क) अगर मनुष्य परिश्रम करे तो सफलता अवश्य मिलती है।

ख) तेज वर्षा हो रही है।

ग) हरे-भरे खेत सुंदर लगते हैं।

vii) किन्हीं दो वाक्यों में वाच्य का सही भेद चुनिए - 2 x 1 = 2

क) कविता गाना गाएगी।

ख) दवाई दे दी गई है।

ग) मुझसे अब चला नहीं जाता।

घ) मैंने पत्र लिखा।

viii) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद पहचानिए : 2 x 1 = 2

1. माँ स्वेटर बुन रही हैं।
2. राधा दौड़ती है।

ix) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के सर्वनाम के भेद पहचानिए: 2 x 1 = 2

1. <u>उसीने</u> मेरी पुस्तक ली थी।
2. <u>जैसी</u> करनी <u>वैसी</u> भरनी।

खंड - ग

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 4 = 8

1. दिए गए दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो उनके क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए।
   धरती की-सी.....यह देह।।
2. मराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।

प्रश्न 5. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में लिखो : 3 x 3 = 9

1. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है?
2. साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है वर्णन कीजिए।
3. माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निःस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए।
4. कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब क्या होता है?

5. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गाँधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार-छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगें?

प्रश्न 6. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4 x 2 = 8

1. रहीम ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजनेवाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?
2. 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?
3. 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यार', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?
4. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

प्रश्न 7. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : 1 x 5 = 5

क) कवि विनाश के गीत क्यों गाना चाहता है?
ख) मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?
ग) घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया?
घ) कंचा खरीदने के लिए अप्पू किसकी मदद लेना चाहता था?
ङ) मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?
च) धनराज ने अपनी जूनियर हाँकी कब खेली?
छ) कुँवरसिंह को बचपन में किन कामों में मजा आता था? क्या उन्हें उन कामों से स्वतंत्रता सेनानी बनने में कुछ मदद मिली?
ज) कुब्जा का स्वभाव कैसा था?

प्रश्न 8. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

नगर भर में दो-चार दिनों से एक मुरलीवाले के आने का समाचार फैल गया। लोग कहने लगे - "भाई वाह ! मुरली बजाने में वह एक ही उस्ताद है। मुरली बजाकर, गाना सुनाकर वह मुरली बेचता भी है सो भी दो-दो पैसे भला, इसमें उसे क्या मिलता होगा। मेहनत भी तो न आती होगी!"

1. नगर भर में क्या समाचार फैल गया?
   क) मधुर तान में गाकर खिलौने बेचने वाला आया है
   ख) मधुर तान में गाकर मुरलियाँ बेचने वाला आया है
   ग) मधुर तान में गाकर मिठाईयाँ बेचने वाला आया है
   घ) इनमें से कोई नहीं

2. मुरलीवाले के बारे में लोग क्या कहते थे?
   क) उसका कंठ बहुत सुरीला था
   ख) वह मुरली बजाने में उस्ताद है
   ग) वह सुंदर है
   घ) इनमें से कोई नहीं

3. मुरली का दाम क्या था?
   क) दो-दो पैसे
   ख) चार-चार पैसे
   ग) तीन पैसे
   घ) इकन्नी

4. उसके द्वारा सस्ती मुरलियाँ बेचने पर लोग क्या सोचते थे?
   क) क्या लाभ कमाता होगा
   ख) मूर्ख है
   ग) घाटा होगा

घ) बहुत लाभ कमाता है

5. मुरलीवाला सस्ती मुरलियाँ क्यों बेचता था?

क) गलती से

ख) नाम कमाने

ग) वह बच्चों को खुश करना चाहता था

घ) ग्राहक बनाने

प्रश्न 9. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए : 1 x 5 = 5

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।
मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे, ऐंठ बेचारी
दबे पाँवों भागने लगी।

1. इस पद्यांश के रचयिता हैं?

क) मीराबाई

ख) टी.पद्मनाभ

ग) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध'

घ) इनमें से कोई नहीं

2. पद्यांश में क्या बात की गई है?

क) रोने की बात

ख) घमंडी के आँख में तिनका जाने की बात

ग) हँसने की बात

घ) कोई बात नहीं

3. कवि कहाँ पर खड़े थे?
   क) मुंडेर पर
   ख) दरवाजे पर
   ग) देहलीज पर
   घ) दिए गए सभी

4. घमंड और अचानक का अर्थ बताइए?
   क) अंहकार, एकदम से
   ख) क्रोध, तेजी से
   ग) गुस्सा और भागते हुए
   घ) अंहकारी और एकदम सामने से

5. क्या दबे पाँव भागी?
   क) दोपहर
   ख) ऐंठ
   ग) तिनका
   घ) घास

खंड - घ

प्रश्न 10. महिला सशक्तिकरण से परिवार, समाज और देश सभी का कल्याण होगा' इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

प्रश्न 11. विदेश यात्रा में सभी प्रकार की व्यवस्था करने वाले मित्र के प्रति आभार की अभिव्यक्ति करते हुए एक पत्र लिखिए। 5

हिन्दी
HINDI

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1 x 5 = 5

सम्राट अशोक चंद्रगुप्त मौर्य का पौत्र और बिंदुसार का पुत्र था। अशोक की उदारता और दया की भावना के कारण ही इतिहासकार उसका गुणगान करते नहीं थकते। उसकी उदारता और दया केवल मानव जाति तक ही सीमित न थी, वरन् वह तो प्राणिमात्र का संरक्षक और सेवक था। जाति, धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त कर उसने जीव-मात्र के हित को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और इस लक्ष्य की सिद्धि के लिए अपने विशाल साम्राज्य के सभी साधनों का उपयोग किया। सम्राट अशोक के महान आदर्श आज भी भारत में जीवित हैं और यहाँ के निवासियों को आत्मकल्याण, धार्मिक सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व की प्रेरणा दे रहे हैं।

(क) अशोक का गुणगान क्यों किया जाता है?

उत्तर : अशोक की उदारता और दया की भावना के कारण उनका गुणगान किया जाता है।

(ख) अशोक के जीवन का लक्ष्य क्या रहा?

उत्तर : प्राणिमात्र का संरक्षण और उनके हितों की रक्षा ही अशोक के जीवन का लक्ष्य था।

(ग) सम्राट अशोक के आदर्श हमें क्या प्रेरणा देते है?

उत्तर : सम्राट अशोक के आदर्श आत्मकल्याण, धार्मिक सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व की प्रेरणा देते हैं।

(घ) उदार, सीमित और हित शब्द के विलोम लिखिए।

उत्तर : उदार-अनुदार, सीमित-असीमित, हित-अहित।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

उत्तर : 'सम्राट अशोक' इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1 x 5 = 5

मेरे देश ने सब देशों को को, दिया ज्ञान का था उपदेश।
जियो और जीने दो सबको, सब धर्मों का यह संदेश।।
कभी किसी का जी न दुखाओ, देखो सब में अखिलेश।
इस धरती स्वर्ग बनाओ, मिट जाएँगे सभी कलेश।।
सभी सूखी हों, सब निरोगी हों, है यह अपनी बात विशेष।
मेल-जोल बढ़ता ही जाए, दुःख-दरिद्रता रहे न शेष।।

क) कवि किस देश की बात कर रहा है?

उत्तर : कवि भारत देश की बात कर रहा है?

ख) सब धर्मों का क्या संदेश दिया है?

उत्तर : सभी धर्मों का संदेश जियो और जीने दो।

ग) हमारी धरती को स्वर्ग कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर : किसी का दिल न दुखाकर और सभी में ईश्वर का रूप देखकर हम हमारी धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

घ) भारत देश की कौन-सी बात विशेष है?

उत्तर : सभी लोग सुखी और निरोग हों यही हमारे भारत देश की विशेष बात है।

ङ) धरती, दुःख शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए :

उत्तर : धरती - धरा, वसुंधरा

दुःख - कष्ट, तकलीफ

खंड - ख

प्रश्न 3. i) किन्हीं दो शब्दों के अर्थ लिखिए : 2 x 1 = 2

क) गुरु - शिक्षक

ख) आरंभ - शुरू

ग) विजय - जीत

घ) बैचैन - व्याकुल

ङ) शंका - शक

ii) किन्हीं तीन मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 3 x 1 = 3

क) हाथ खींचना - मुसीबत के समय सब हाथ खींच लेते हैं।

ख) हाथ-पाँव मारना - हाथ-पाँव मारते मारते ही व्यक्ति अंत में सफलता प्राप्त करता है।

ग) पानी फेर देना - रोहन ने तो पिताजी की आशाओं पर पानी फेर दिया।

घ) आग में घी डालना - तुम्हारा तो काम ही है, आग में घी डालना।

ङ) घर सिर पर उठाना - शांत हो जाओ, क्यों घर सिर पर उठा रखा है?

iii) किन्हीं दो अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 2 x 1 = 2

क) हमारा पुराना कार ठीक हो गया।

उत्तर : हमारी पुरानी कार ठीक हो गई।

उत्तर : बीती बातों को भुला देना चाहिए।

ग) मैंने तेरे को पुस्तक दी थी।
उत्तर : मैंने तुम्हें पुस्तक दी थी।

iv) किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2 x 1 = 2

क) उक्ति - कथन, वचन
ख) उजाला - प्रकाश, रोशनी
ग) दूध - गोरस, पय
घ) सेवक - नौकर, चाकर

v) किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : 2 x 1 = 2

क) आयात x निर्यात
ख) सहमति x असहमति
ग) उग्र x शांत
घ) बंधन x मुक्ति

vi) रचना के आधार पर भेद लिखो : 3 x 1 = 3

क) अगर मनुष्य परिश्रम करे तो सफलता अवश्य मिलती है। - मिश्रित वाक्य
ख) तेज वर्षा हो रही है। - सरल वाक्य
ग) हरे-भरे खेत सुंदर लगते हैं। - सरल वाक्य

vii) किन्हीं दो वाक्यों में वाच्य का सही भेद चुनिए - 2 x 1 = 2

क) कविता गाना गाएगी। - कर्तृवाच्य
ख) दवाई दे दी गई है। - कर्मवाच्य
ग) मुझसे अब चला नहीं जाता। - भाववाच्य
घ) मैंने पत्र लिखा। - कर्तृवाच्य

viii) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद पहचानिए : 2 x 1 = 2

1. माँ स्वेटर बुन रही हैं। - सकर्मक क्रिया
2. राधा दौड़ती है। - अकर्मक क्रिया

ix) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के सर्वनाम के भेद पहचानिए:
2 x 1 = 2

1. <u>उसीने</u> मेरी पुस्तक ली थी। - निश्चयवाचक सर्वनाम
2. <u>जैसी</u> करनी <u>वैसी</u> भरनी। - संबंधबोधक सर्वनाम

खंड - ग

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 x 4 = 8

1. दिए गए दोहों में बताई गई सच्चाइयों को यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो उनके क्या लाभ होंगे? सोचिए और लिखिए।
   धरती की-सी.....यह देह।।
   उत्तर : इस सच्चाई को जीवन में उतार लेने से हमारे जीवन में सहनशीलता की भावना का जन्म होगा। हम सुख और दुःख दोनों को ही सहजता से लेगें।

2. मराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।
   उत्तर : लड़की को अपने पापा का नाम-पता कुछ भी मालूम नहीं था। कहानी के सभी पात्र मिलकर उसके पापा को खोजने की योजना बनाते हैं। इसी कारण इस नाटक का नाम 'पापा खो गए' रखा गया होगा।
   इसका अन्य शीर्षक 'लापता बच्ची' भी रखा जा सकता है क्योंकि इस नाटक में पूरे समय इसी बच्ची के घर का पता लगाने का प्रयास किया जाता है।

प्रश्न 5. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त रूप में लिखो : 3 x 3 = 9

1. खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है?

उत्तर : खानपान के मामले में स्थानीयता का अर्थ है कि वे व्यंजन जो स्थानीय आधार पर बनते थे। जैसे मुम्बई की पाव-भाजी, दिल्ली के छोले-कुलचे, मथुरा के पेड़े व आगरे के पेठे-नमकीन तो कहीं किसी प्रदेश की जलेबियाँ, पूड़ी और कचौड़ी आदि स्थानीय व्यंजनों का अत्यधिक चलन था और अपना अलग महत्त्व भी था। खानपान की मिश्रित संस्कृति के आने के कारण अब लोगों को खाने-पीने के व्यंजनों में इतने विकल्प मिल गए हैं कि अब स्थानीय व्यंजनों का प्रचलन धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

2. साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है वर्णन कीजिए।

उत्तर : साक्षात्कार पढ़कर मन में धनराज पिल्लै की ऐसी छवि उभरती है जो सीधे-सरल, भावुक, स्पष्ट वक्ता, परिवार से जुड़े और स्वाभिमानी हैं परन्तु कठिन संघर्षों के और आर्थिक संकटों के दौर से गुजरने के कारण अपने आप-को असुरक्षित समझने लगे थे। प्रसिद्धि प्राप्त करने पर भी उनमें जरा भी अभिमान नहीं है। उन्हें लोकल ट्रेन में सफ़र करने से भी कोई परहेज नहीं है। लोगों को लगता है कि उनके स्वभाव में तुनक-मिजाजी आ गई परन्तु आज भी वे सरल व्यक्ति हीं हैं।

3. माधवदास क्यों बार बार चिड़िया-से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निःस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : माधवदास का बार-बार चिड़िया से यह कहना कि यह बगीचा तुम्हारा ही है यह दर्शाता है कि उन्हें वह चिड़िया बड़ी प्यारी

लगी। अत: वे उस चिड़िया को अपने पास ही रखना चाहते थे।

माधवदास का यह कहना पूरी तरह से निःस्वार्थ मन से नहीं कहा गया था क्योंकि चिड़िया को देखने के पश्चात अब वे उस चिड़िया को अपने बगीचे में अपनी मन-संतुष्टि के लिए रखना चाहते थे।

4. कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं, तब क्या होता है?

उत्तर : कंचे जब जार से निकलकर अप्पू के मन की कल्पना में समा जाते हैं तो वह उनकी ओर पूरी तरह से सम्मोहित हो जाता है। उसे लगता है की जैसे कंचों का जार बड़ा होकर आसमान-सा बड़ा हो गया और वह उसके भीतर चला गया। वहाँ और कोई नहीं था। वह अकेला ही कंचे चारों ओर बिखेरता हुआ मजे से खेल रहा था। हरी लकीर वाले सफ़ेद आँवले से गोल कंचे उसके दिमाग में पूरी तरह छा गए। मास्टर जी कक्षा में पाठ "रेलगाड़ी" का पढ़ा रहे थे लेकिन उसके दिमाग में कंचों का खेल चल रहा था। उसे मास्टरजी द्वारा बनाया गया बॉयलर भी कंचे का जार ही नज़र आता है। उसने कंचों के चक्कर में मास्टर जी से डाँट भी खाई लेकिन उसका दिमाग तो केवल कंचों के बारे में ही लगा हुआ था।

5. हमारे यहाँ बहुत से काम लोग खुद नहीं करके किसी पेशेवर कारीगर से करवाते हैं। लेकिन गाँधी जी पेशेवर कारीगरों के उपयोग में आनेवाले औज़ार-छेनी, हथौड़े, बसूले इत्यादि क्यों खरीदना चाहते होंगें?

उत्तर : गाँधीजी स्वयं स्वावलंबी और आत्मनिर्भर होने के कारण अपने सानिध्य में आनेवाले सभी को स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना चाहते थे।

प्रश्न 6. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4 x 2 = 8

1. रहीम ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं? दोहे के आधार पर आप सावन के बरसने और गरजनेवाले बादलों के विषय में क्या कहना चाहेंगे?

   उत्तर : क्वार के मास में गरजनेवाले बादल केवल गरजकर रह जाते हैं, बरसते नहीं हैं। ठीक उसी प्रकार जो पहले कभी धनी थे और बीती बातों को बताकर दूसरों को प्रभावित करना चाहते हैं, वे केवल बड़बड़ाकर रह जाते हैं। इसलिए कवि ने क्वार के मास में गरजनेवाले बादलों की तुलना ऐसे निर्धन व्यक्तियों से की है।

2. 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, जिससे घमंड नहीं करने का संदेश मिलता है?

   उत्तर : 'एक तिनका' कविता में 'हरिऔध' जी ने उस समय की घटना का वर्णन किया है, जब कवि अपने-आप को श्रेष्ठ समझने लगा था। उसके इस घमंड को एक छोटे से तिनके ने चूर-चूर कर दिया। उस छोटे से तिनके के कारण कवि की नाक में दम हो गया था। उस तिनके को निकालने के लिए कई प्रयास किए गए और जब किसी तरीके से वह निकल गया तो कवि को समझ आया कि उसका अभिमान तोड़ने के लिए एक छोटा तिनका भी बहुत है। अत: कवि और तिनके के उदहारण द्वारा इस कविता में हमें घमंड न करने की सीख दी गई है।

3. 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यार', 'लाल जी', कहते हुए यशोदा किसे जगाने का प्रयास करती हैं और वे कौन-कौन सी बातें कहती हैं?

उत्तर : यहाँ पर माता यशोदा श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए 'बंसीवारे ललना', 'मोरे प्यार', 'लाल जी', उपर्युक्त कथन कहते हुए अपने पुत्र श्रीकृष्ण को जगाने का प्रयास कर रही हैं।
माता यशोदा श्रीकृष्ण को जगाने के अपने प्रयास में कृष्ण से निम्न बातें कहती हैं कि रात बीत चुकी है, सभी के दरवाजें खुल चुके हैं, देखो गोपियाँ दही बिलो कर तुम्हारा मनपसंद माखन निकाल रही है, द्वार पर देव और मानव सभी तुम्हारे दर्शन की प्रतीक्षा में खड़े हैं, तुम्हारे मित्रगण भी तुम्हारी जय-जयकार कर रहें हैं, सभी अपने हाथ में माखन रोटी लेकर गाएँ चराने के लिए तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहें हैं। अत: तुम जल्दी उठ जाओ।

4. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर : पक्षी के पास पिंजरे के अंदर वे सारी सुख सुविधाएँ है जो एक सुखी जीवन जीने के लिए आवश्यक होती हैं, परन्तु हर तरह की सुख-सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें बंधन नहीं अपितु स्वतंत्रता पसंद है। वे तो खुले आकाश में ऊँची उड़ान भरना, बहता जल पीना, कड़वी निबौरियाँ खाना ही पसंद करते हैं।

प्रश्न 7. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : 1 x 5 = 5

क) कवि विनाश के गीत क्यों गाना चाहता है?

उत्तर : कवि विनाश के गीत गाना चाहता है क्योंकि विध्वंस पर ही नवनिर्माण होता है।

ख) मोर-मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

उत्तर : नीलाभ ग्रीवा अर्थात् नीली गर्दन के कारण मोर का नाम रखा गया नीलकंठ व मोरनी सदा उसकी छाया के समान उसके साथ रहने के कारण उसका नाम राधा रखा गया।

ग) घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया?

उत्तर : घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने कपड़े की मूँठ बनाकर उसकी आँख पर लगाकर तिनका निकालने का प्रयास किया।

घ) कंचा खरीदने के लिए अप्पू किसकी मदद लेना चाहता था?

उत्तर : कंचा खरीदने के लिए अप्पू जार्ज की मदद लेना चाहता था क्योंकि जार्ज कंचों के खेल का माहिर खिलाड़ी था।

ङ) मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा?

उत्तर : मीरा को सावन मनभावन इसलिए लगने लगा क्योंकि सावन का मौसम मीरा को श्रीकृष्ण की भनक अर्थात् श्रीकृष्ण के आने का अहसास कराता है। साथ ही इस समय प्रकृति भी बड़ी सुहावनी होती है।

च) धनराज ने अपनी जूनियर हाँकी कब खेली?

उत्तर : धनराज ने अपनी जूनियर हाँकी 1985 में मणिपुर में खेली।

छ) कुँवरसिंह को बचपन में किन कामों में मजा आता था? क्या उन्हें उन कामों से स्वतंत्रता सेनानी बनने में कुछ मदद मिली?

उत्तर : कुँवरसिंह को बचपन में घुड़सवारी, तलवारबाजी और कुश्ती लड़ने में मजा आता था। इन्हीं कार्यों के कारण उनके अंदर

साहस और वीरता का विकास हुआ, जिससे वे आगे जाकर अंग्रेजों से लोहा ले सके।

ज) कुब्जा का स्वभाव कैसा था?
उत्तर : कुब्जा का स्वभाव ईर्ष्यालु था।

प्रश्न 8. दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

नगर भर में दो-चार दिनों से एक मुरलीवाले के आने का समाचार फैल गया। लोग कहने लगे - "भाई वाह ! मुरली बजाने में वह एक ही उस्ताद है। मुरली बजाकर, गाना सुनाकर वह मुरली बेचता भी है सो भी दो-दो पैसे भला, इसमें उसे क्या मिलता होगा। मेहनत भी तो न आती होगी!"

1. नगर भर में क्या समाचार फैल गया?
   क) मधुर तान में गाकर खिलौने बेचने वाला आया है
   ख) <u>मधुर तान में गाकर मुरलियाँ बेचने वाला आया है</u>
   ग) मधुर तान में गाकर मिठाईयाँ बेचने वाला आया है
   घ) इनमें से कोई नहीं

2. मुरलीवाले के बारे में लोग क्या कहते थे?
   क) उसका कंठ बहुत सुरीला था
   ख) <u>वह मुरली बजाने में उस्ताद है</u>
   ग) वह सुंदर है
   घ) इनमें से कोई नहीं

3. मुरली का दाम क्या था?
   क) <u>दो-दो पैसे</u>
   ख) चार-चार पैसे
   ग) तीन पैसे

घ) इकन्नी

4. उसके द्वारा सस्ती मुरलियाँ बेचने पर लोग क्या सोचते थे?

क) <u>क्या लाभ कमाता होगा</u>

ख) मूर्ख है

ग) घाटा होगा

घ) बहुत लाभ कमाता है

5. मुरलीवाला सस्ती मुरलियाँ क्यों बेचता था?

क) गलती से

ख) नाम कमाने

ग) <u>वह बच्चों को खुश करना चाहता था</u>

घ) ग्राहक बनाने

प्रश्न 9. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर छाँटकर लिखिए : 1 x 5 = 5

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।
मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे, ऐंठ बेचारी
दबे पॉवों भागने लगी।

1. इस पद्यांश के रचयिता हैं?

क) मीराबाई

ख) टी.पद्मनाभ

ग) <u>अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध'</u>

घ) इनमें से कोई नहीं

2. पद्यांश में क्या बात की गई है?
   क) रोने की बात
   ख) <u>घमंडी के आँख में तिनका जाने की बात</u>
   ग) हँसने की बात
   घ) कोई बात नहीं

3. कवि कहाँ पर खड़े थे?
   क) <u>मुंडेर पर</u>
   ख) दरवाजे पर
   ग) देहलीज पर
   घ) दिए गए सभी

4. घमंड और अचानक का अर्थ बताइए?
   क) <u>अंहकार, एकदम से</u>
   ख) क्रोध, तेजी से
   ग) गुस्सा और भागते हुए
   घ) अंहकारी और एकदम सामने से

5. क्या दबे पाँव भागी?
   क) दोपहर
   ख) <u>ऐंठ</u>
   ग) तिनका
   घ) घास

खंड - घ

प्रश्न 10. महिला सशक्तिकरण से परिवार, समाज और देश सभी का कल्याण होगा' इस विषय पर अनुच्छेद लिखिए : 5

महिला सशक्तिकरण

नारी के बिना किसी समाज की रचना संभव नहीं है। महिला सशक्तिकरण, भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक या मानसिक, सभी स्तरों पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है।

महिला सशक्तिकरण में वह ताकत है कि वो समाज और देश में बहुत कुछ परिवर्तन कर सकती है। वह समाज में समस्याओं को पुरुषों से बेहतर ढ़ंग से निपट सकने में सक्षम है। वह देश और परिवार के लिये अधिक जनसंख्या के नुकसान को अच्छी तरह से समझ सकती है। अच्छे पारिवारिक योजना से वो देश और परिवार की आर्थिक स्थिति का प्रबंधन कर सकती है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाएँ हिंसा को संभालने में सक्षम है, चाहे वो पारिवारिक हो या सामाजिक। महिला सशक्तिकरण के द्वारा ये संभव है कि एक मजबूत अर्थव्यवस्था के महिला-पुरुष समानता वाले वाले देश को पुरुषवादी प्रभाव वाले देश से बदला जा सकता है। महिला सशक्तिकरण की मदद से बिना अधिक प्रयास किये परिवार के हर सदस्य का विकास आसानी से हो सकता है। एक महिला परिवार में सभी चीजों के लिये बेहद जिम्मेदार मानी जाती है अत: वो सभी समस्याओं का समाधान अच्छी तरह से कर सकती है।

प्रश्न 11. विदेश यात्रा में सभी प्रकार की व्यवस्था करने वाले मित्र के प्रति आभार की अभिव्यक्ति करते हुए एक पत्र लिखिए। 5

18-ए, राजमहल,
दिल्ली
दिनाँक - 25 जून, 2013

प्रिय मित्र अमर

नमस्कार

मैं आज सुबह अमेरिका से वापस लौट आया हूँ। इस विदेश यात्रा में यदि आपका अमूल्य सहयोग और मार्गदर्शन नहीं मिलता तो, यह यात्रा इतनी आरामदायक एवं यादगार नहीं बनती। आपने पासपोर्ट, वीज़ा बनवाने से लेकर मेरे रहने, खाने, घूमने व छोटी से छोटी आवश्यकताओं का बहुत अच्छे से ख्याल रखा। मैं उसके लिए आपका हदय की सम्पूर्ण भावनाओं से आभार व्यक्त करता हूँ।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम निवेदित करना।

तुम्हारा मित्र
नरेश वर्मा